

„Jöjjetek énhozzám mindnyájan...” (Mt 11:28)

- |  |     |               |                                  |
|--|-----|---------------|----------------------------------|
| 1.   | Sz. | Zsid 10:22-23 | Járuljunk hozzá!                 |
| 2.   | Cs. | Lk 15:20      | Az apa öröme                     |
| 3.   | P.  | Mk 15:37-39   | Mind jóllaktak                   |
| 4.   | Sz. | Lk 23:57      | Megpihenés a parancsolat szerint |
| ■ <i>Naplemente: Budapest: 19:16 Debrecen: 19:03</i> |     |               |                                  |
| 5.   | V.  | Mk 16:6       | Jézus feltámadt!                 |
| 6.   | H.  | Mt 5:48       | Legyetek tökéletesek!            |
| 7.   | K.  | Ézs 6:3       | A Seregek Ura szent              |
| 8.   | Sz. | Ézs 46:9-10   | Isten ismeri a jövőt             |
| 9.   | Cs. | Zsid 12:14    | Békességre törekedve             |
| 10.  | P.  | Jn 12:25-26   | Tanács Krisztus szolgálainak     |
| 11.  | Sz. | Ézs 61:1      | Isten Lelke által                |
| ■ <i>Naplemente: Budapest: 19:25 Debrecen: 19:13</i> |     |               |                                  |
| 12.  | V.  | Ef 4:14-15    | Érettség, igazság, szeretet      |
| 13.  | H.  | Ézs 58:10-11  | Könyörület, erősítés             |
| 14.  | K.  | Ef 3:20-21    | Isten gazdag ajándékai           |
| 15.  | Sz. | Zsolt 37:4    | Gyönyörködni az Úrban            |
| 16.  | Cs. | Péld 13:12    | Szomorúság vagy öröm             |
| 17.  | P.  | 1Jn 5:13      | Az örök élet feltétele           |
| 18.  | Sz. | Mt 12:18-20   | Jézus: minden nép reménye        |
| ■ <i>Naplemente: Budapest: 19:35 Debrecen: 19:23</i> |     |               |                                  |
| 19.  | V.  | Mt 25:40      | Énvelem cselekedtétek            |
| 20.  | H.  | 2Kir 20:5     | Az Úr válasza                    |
| 21.  | K.  | Lk 17:17-19   | Tízből egy                       |
| 22.  | Sz. | Zsid 12:1-2   | Bizonyságok fellegében           |
| 23.  | Cs. | Lk 6:35       | Isten gyermekeként élni          |
| 24.  | P.  | Lk 6:45       | Jó ember, gonosz ember           |
| 25.  | Sz. | Róm 1:17      | Az igaz ember hitből él          |
| ■ <i>Naplemente: Budapest: 19:45 Debrecen: 19:33</i> |     |               |                                  |
| 26.  | V.  | Róm 12:21     | Jóval győzni meg a gonoszt       |
| 27.  | H.  | 1Jn 4:18      | Félelem nélküli szeretet         |
| 28.  | K.  | Tit 2:14      | Megváltónk áldozata              |
| 29.  | Sz. | Mk 8:35       | Megtartott élet                  |
| 30.  | Cs. | Jn 13:34-35   | Új parancsolat                   |

„Légy buzgó tehát, és térj meg!” (Jel 3:19, ÚRK)

- |     |     |                                    |                                 |
|-----|-----|------------------------------------|---------------------------------|
| 1.  | P.  | Mt 24:44                           | Állandó készenlétben            |
| 2.  | Sz. | Róm 12:1                           | Teljes odaszánás                |
|     |     | <b>Naplemente: Budapest: 19:55</b> | <b>Debrecen: 19:43</b>          |
| 3.  | V.  | Róm 14:10                          | Isten ítélőszéke előtt          |
| 4.  | H.  | ApCsel 28:28                       | Üdvösség a pogányoknak          |
| 5.  | K.  | Lk 6:48                            | A sziklára épített ház          |
| 6.  | Sz. | Zsolt 80:8                         | Könyörgés Istenhez              |
| 7.  | Cs. | 1Kor 3:13-14                       | A tűz próbája                   |
| 8.* | P.  | Mt 24:13                           | Állhatatosaké az üdvösség       |
| 9.  | Sz. | 1Móz 7:7-10                        | Védelem az özönvíz idején       |
|     |     | <b>Naplemente: Budapest: 20:04</b> | <b>Debrecen: 19:52</b>          |
| 10. | V.  | Jer 12:5                           | Készülj a nehezebb helyzetekre! |
| 11. | H.  | Zsolt 56:11-12                     | Bizalom Istenben                |
| 12. | K.  | Hós 13:4-5                         | Gondoskodó Istenünk             |
| 13. | Sz. | Jn 8:7                             | A büntelen vessen rá követ!     |
| 14. | Cs. | Jn 8:29                            | Az Atya jelenlétében            |
| 15. | P.  | Ef 6:4                             | Nevelés szeretettel             |
| 16. | Sz. | 2Kor 1:20                          | Isten biztos ígéretei           |
|     |     | <b>Naplemente: Budapest: 20:14</b> | <b>Debrecen: 20:02</b>          |
| 17. | V.  | Ef 3:12                            | Hittel fordulhatunk Istenhez    |
| 18. | H.  | Gal 5:22-23                        | A Lélek gyümölcse               |
| 19. | K.  | Róm 7:18-19                        | A belső harc                    |
| 20. | Sz. | 1Jn 4:10                           | A szeretet Istentől ered        |
| 21. | Cs. | Lk 19:16-17                        | A hű szolgálta jutalma          |
| 22. | P.  | Mk 6:2                             | Jézus a zsinagógában tanít      |
| 23. | Sz. | Zsolt 55:23                        | Az Úr megvéd az ingadozástól    |
|     |     | <b>Naplemente: Budapest: 20:22</b> | <b>Debrecen: 20:10</b>          |
| 24. | V.  | 2Pt 3:17-18                        | Vigyázzatok, növekedjetek!      |
| 25. | H.  | Gal 2:20                           | Krisztussal megfeszítettetve    |
| 26. | K.  | Jel 3:18                           | Jézus tanácsa                   |
| 27. | Sz. | Jel 3:20                           | Jézus bebocsátásra vár          |
| 28. | Cs. | Mk 14:8                            | Mária tette                     |
| 29. | P.  | Ézs 55:8                           | Isten gondolatai és útjai       |
| 30. | Sz. | Mk 11:22                           | Higgyetek Istenben!             |
|     |     | <b>Naplemente: Budapest: 20:30</b> | <b>Debrecen: 20:18</b>          |
| 31. | V.  | Ézs 51:6-7                         | Isten örök szabadítása          |

„Akik féltetek az URat, az ÚRban bizzatok!” (Zsolt 115:11, ÚRK)

- |  |     |                 |   |
|--|-----|-----------------|---|
| 1.   | H.  | 5Móz 6:24       | Isten engedelmességre szólít            |
| 2.   | K.  | Ézs 50:4-5      | Az Úrtól jövő adományok                 |
| 3.   | Sz. | Péld 19:11      | Türelem                                 |
| 4.   | Cs. | Jób 27:6        | Tiszta lelkiismeret                     |
| 5.   | P.  | Lk 18:1         | Szüntelen imádkozni                     |
| 6.   | Sz. | Gal 5:6         | Szeretet által munkálkodó hit           |
| ■ <i>Naplemente: Budapest: 20:36 Debrecen: 20:25</i> |     |                 |   |
| 7.   | V.  | 5Móz 30:19      | Válasszunk jól!                         |
| 8.   | H.  | Mt 25:3-4       | Bölcsek és balgák                       |
| 9.   | K.  | 1Thessz 5:20-21 | A profétálás és körültekintő mérlegelés |
| 10.  | Sz. | Fil 3:12        | Igyekezünk a jóra!                      |
| 11.  | Cs. | 4Móz 11:23      | Megrövidült volna az Úr karja?          |
| 12.*   | P.  | Zsolt 57:11-12  | Isten kegyelme és hűsége                |
| 13.  | Sz. | 5Móz 20:4       | Az Úr elkísér                           |
| ■ <i>Naplemente: Budapest: 20:41 Debrecen: 20:30</i> |     |                 |   |
| 14.  | V.  | Jn 21:15        | Jézus kérdése                           |
| 15.  | H.  | Zsolt 78:4      | Istenről beszélni gyermekeinknek        |
| 16.  | K.  | ApCsel 17:27-28 | Isten nemzetsége vagyunk                |
| 17.  | Sz. | Jel 20:6        | Az első feltámadás                      |
| 18.  | Cs. | Lk 12:32        | Ne félj!                                |
| 19.  | P.  | Jak 5:16        | Bűnvallás, imádság                      |
| 20.  | Sz. | 2Pt 1:10        | Péter apostol tanácsa                   |
| ■ <i>Naplemente: Budapest: 20:44 Debrecen: 20:33</i> |     |                 |   |
| 21.  | V.  | Zsolt 26:5-6    | Kerülni a rosszak társaságát            |
| 22.  | H.  | Jn 6:68-69      | Ki máshoz mehetnénk?                    |
| 23.  | K.  | Ézs 53:4        | Betegségeinket, fájdalmainkat hordozta  |
| 24.  | Sz. | Gal 6:7         | Ki mint vet, úgy arat                   |
| 25.  | Cs. | Ézs 57:15       | A Magasságos Isten megelevenít          |
| 26.  | P.  | Jn 18:37        | Jézus és az igazság                     |
| 27.  | Sz. | Róm 2:4         | Talán megveted Isten jóságát?           |
| ■ <i>Naplemente: Budapest: 20:45 Debrecen: 20:34</i> |     |                 |   |
| 28.  | V.  | 1Jn 2:15-17     | A világ szeretete vagy Isten szeretete? |
| 29.  | H.  | Zsolt 62:6      | Reménység Istenben                      |
| 30.  | K.  | Zsolt 69:2      | Könyörgés szabadtításért                |